हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 46 : जौनपुर, गुरुवार 09 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

एमपी चुनावी रैली में खड़गे पर बरसे पीएम मोदी, कहा, रिमोट से चलते हैं कांग्रेस अध्यक्ष

एजेन्सी

दमोह। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रचार अभियान को तेज करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, एमपी के मन में मोदी है, मोदी के मन में एमपी है। दमोह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने अपने आपको जनता का सेवक बताया। उन्होंने आगे कहा मैं चाहता हूं कि आपका जीवन बेहतर हो, आपके जीवन से मुश्किलें कम हों...यही मेरी पहली प्राथमिकता है। मोदी इसीलिए इतना सशक्त हैं क्योंकि उसके साथ एमपी का और पूरे देश का आशीर्वाद और प्यार है। मोदी ने आगे कहा कि ये मोदी (यानी मेरी) की गारंटी है कि जब तीसरी बार मेरा सेवाकाल शुरु होगा, मैं इस देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया के टॉप तीन में लाकर रहूंगा।' उन्होंने कहा, हमारी गारंटी खजाना लुटाने या वोट बटोरने की नहीं होती है, बल्कि देश को आगे बढ़ाने और हमारे लोगों का सामर्थ्य बढ़ाने की होती है। इसी बीच पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए बोला कि पार्टी के अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खड़गे) रिमोट से चलते हैं। मोदी ने कहा, लोगों को कांग्रेस

पार्टी के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है। यह कांग्रेस पार्टी से सचेत रहने का समय है। यह वह पार्टी है जो गरीबों का पैसा छीनती है, घोटाले करती है और कुर्सी के लिए समाज को बांटती है। कांग्रेस के लिए राज्य और देश का विकास महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष रिमोट से नियंत्रित होते हैं। वह ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। जब रिमोट काम करता है तो वह सनातन (धर्म) को गाली देते हैं। कल जब रिमोट काम नहीं कर रहा था तो उन्होंने पांडवों के बारे में बात की और कहा कि पांच पांडव हैं। पीएम मोदी ने कहा, बीजेपी. हमें गर्व है कि हम पांडवों के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश के ग्वालियर के थाटीपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ), आयकर (आईटी), प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बीजेपी के पंच पांडवश बताया था। आगे खड़गे ने स्पष्ट करते हुए कहा था, ष्लेकिन ये वास्तविक पांडव (महाकाव्य महाभारत प्रसिद्धि वाले) नहीं हैं, लेकिन इन्हें हराना जरूरी है। कांग्रेस पर अपना हमला जारी रखते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी को छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्ता मिली, लेकिन उनके सीएम सट्टा (सट्टेबाजी) और काला धन पैदा करने में शामिल थे। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में सट्टेबाजी है और राजस्थान में कांग्रेस के कुकर्मों की लाल डायरी है...कांग्रेस का मतलब है बर्बादी की गारंटी...कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने झूठे वादों की झड़ी लगा दी। पार्टी जानती है कि एमपी के युवा उनके भ्रष्टाचार के ट्रैक रिकॉर्ड के कारण उन पर भरोसा नहीं करते हैं। 2018 में, उन्होंने किसानों के ऋण माफ करने का वादा किया था, लेकिन किसान 15 महीने तक इंतजार करते रहे और फिर भी कुछ नहीं किया गया। उन्होंने आगे कहा कि जब हमने (भाजपा ने) 2014 में (केंद्र में) सरकार बनाई, तो मैंने कांग्रेस की भ्रष्ट मशीनरी के सभी टायर पंक्चर कर दिए। उन्होंने कहा, ष्हमने आधार, बैंक खातों और मोबाइल की एक श्त्रिशक्तिश बनाई जिसे कांग्रेस की भ्रष्ट मशीन सहन नहीं कर सकी। हमारी गारंटी देश के खजाने को लूटने की नहीं, बल्कि देश को आगे ले जाने की है।

हमारी गारंटी वोट पाने की नहीं, बल्कि देशवासियों को और अधिक सक्षम बनाने की है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक हर जगह भारत की सराहना हो रही है। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया में भारत के गुण गाए जा रहे हैं। भारत का चंद्रयान–3 वहां पहुंच गया है, जहां कोई देश नहीं पहुंच सका। भारत में हुए जी20 शिखर सम्मेलन की चर्चा हर तरफ हो रही है। हमारे खिलाड़ी हर दिन नए रिकॉर्ड स्थापित कर रहे हैं। मैं आपके आशीर्वाद से भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा।

योगी कैबिनेट की बैठक आज

भारतीय मंदिर वस्तुकला संग्रहालय, 25 एकड़ जमीन पर्यटन विभाग को देने समेत 25 प्रस्ताव रखे जाएंगे

एजेन्सी

अयोध्या। योगी 2.0 की कैबिनेट बैठक अब अयोध्या में होने जा रही है। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। गुरुवार सुबह 11.30 बजे कैबिनेट की बैठक अंतरराष्ट्रीय कथा धाम में होगी। मध्‍ य प्रदेश और राजस्थान में यूपी सरकार के मंत्री बीजेपी प्रत्याशी का चुनाव प्रचार कर रहे हैं। चुनाव प्रचार में जुटे मंत्रियों को भी कैबिनेट की बैठक में हाजिर रहने का फरमान जारी हुआ है। बता दें कि पहली बार नहीं है, जब कैबिनेट की बैठक लखनऊ से बाहर होने जा रही है। 2019 में कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज में योगी कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में कैबिनेट ने मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। अयोध्या में होने जा रही कैबिनेट बैठक में करीब 25 प्रस्ताव रखे जाने हैं। इसमें अयोध्या के माझा जमथरा गांव में भारतीय मंदिर वस्तुकला संग्रहालय बनाने का प्रस्ताव भी शामिल है। छठवीं शताब्दी से लेकर अब तक मंदिरों की वास्तुकला का प्रदर्शन और 25 एकड़ भूमि पर्यटन विभाग को दिये जाने का प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। वही इस कैबिनेट मे देवीपाटन धाम तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद और श्री अयोध्या जी तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद की स्थापना का विधेयक भी पेश करने का प्रस्ताव आ सकता है। विधानमंडल की शीतकालीन सत्र में विधेयक पेश किया जा सकता है। इसके साथ ही उप्र अंतर्देशीय जल मार्ग प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। साल 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रयागराज में कैबिनेट बैठक आयोजित करके योगी 1.0 सरकार ने नया इतिहास तो गढ़ा साथ ही उस साल होने वाले आम चुनाव को लेकर बड़ा सियासी संदेश भी दिया था। ये बैठक संगम तट पर बसे टेंट सिटी में आयोजित हुई। गंगा–एक्सप्रेस वे के तौर पर दुनिया का सबसे बड़ा हाईवे बनाने का फैसला लिया। इसके साथ ही प्रयागराज के विकास से जुड़ी कई योजनाओं को हरी झंडी दी गई। सीएम योगी, तत्कालीन डिप्टी सीएम डॉ दिनेश शर्मा सहित सभी मंत्रियों ने बैठक से पूर्व संगम में स्नान किया। गौरतलब है कि जब उत्तराखंड यूपी का हिस्सा था तब कई बार लखनऊ के बजाए कैबिनेट की बैठक नैनीताल में भी होती थी। अब जब साल 2024 के आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं तब लखनऊ के बाहर कैबिनेट बैठक आयोजित करने का फैसला लिया गया है। अगले साल 22 जनवरी को अयोध्‍ या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन से पहले योगी सरकार तमाम गतिविधियों के जरिए माहौल सरगर्म रखना चाहती है।

प्रदूषण के चलते स्कूलों को लेकर दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, जारी किए नए निर्देश

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है, जिसके चलते अरविंद केजरीवाल की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, बढ़ते प्रदूषण के चलते दिल्ली में सभी स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। दिल्ली सरकार ने घोषणा करते हुए कहा गया है कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ा हुआ है, इसलिए इस बार शीतकालीन अवकाश पहले लिया जा रहा है।अब 12वीं तक के सभी स्कूल 18 नवंबर तक बंद रहेंगे। 19 नवंबर 2023 को रविवार है ऐसे में स्कूलों की छुट्टियां 19 नवंबर तक रहेंगी। इसके लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं। दिल्ली सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, दिल्ली में ।फप् 900 को पार कर चुका है ये गंभीर श्रेणी में है। इसके मद्देनदर दिल्ली के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया था। देश की राजधानी दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण के बीच दिल्ली सरकार ने 9 से 18 नवंबर तक स्कूलों में जल्दी शीतकालीन अवकाश की घोषणा की है। बता दें कि इससे पहले दिल्ली के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश की घोषणा आमतौर पर दिसंबर और जनवरी महीने में होती है। इस बार प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने स्कूलों में शीतकालीन अवकाश की घोषणा जल्द कर दी है। नए नोटिस के अनुसार, दिल्ली के सभी स्कूल फिलहाल 18 नवंबर 2023 तक बंद रखेंगे।

दिल्ली सरकार ने कनॉट प्लेस में लगे उसे स्मॉग टावर का निरीक्षण करने के लिए बुधवार को एक टीम भेजी, जिसे दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अध्यक्ष अश्वनी कुमार के एकतरफा निर्देशों के बाद बंद कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को स्मॉग टावर को चालू करने का निर्देश दिया था। दिल्ली और इसके आस–पास के इलाकों में बुधवार को सुबह वायु गुणवत्ता फिर से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से फैल रहा धुआं राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण में एक–तिहाई योगदान दे रहा है। दिल्ली में मंगलवार को शाम चार बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 395 से और ज्यादा खराब स्थिति में पहुंच गया तथा 421 दर्ज किया गया था।

गाजियाबाद में कुमार विश्वास के काफिले पर हमला

एजेन्सी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में कवि कुमार विश्वास के काफिले पर हमला हुआ है। बुधवार को कुमार विश्वास गाजियाबाद से अलीगढ़ जा रहे थे, तभी हिंडन नदी के पास एक कार चालक ने उनके स्कॉट में शामिल गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाले की पहचान डॉक्टर पल्लव वाजपेई के रूप में हुई है। डॉक्टर का आरोप है कि कुमार विश्वास के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बुरी तरह से पीटा है। फिलहाल, दोनों पक्षों ने एक–दूसरे के खिलाफ गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में शिकायत की है। कवि कुमार विश्वास गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके में रहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है, बुधवार दोपहर अलीगढ़ जाने के लिए मैं वसुंधरा स्थित घर से निकला था।

फिर हिली धरती...पश्चिम बंगाल में लगे भूकंप के तेज झटके, रिक्टर स्केल पर 3.6 रही तीव्रता

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के तेज झटके महसूस होने के बाद लोग अपने–अपने घरों से निकल खुले मैदान पर आ गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक, भूंकप के झटके बुधवार सुबह करीब 10.51 बजे महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई है। इस भूकंप में किसी भी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। बता दें कि इससे पहले बीते आठ नवंबर को पंजाब के रुपनगर और भारत के पड़ोसी देश चीन के शिनजियांग में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनएससी) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कहा, ''मंगलवार देर रात एक बजकर 13 मिनट पर पंजाब के रूपनगर में 3. 2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई में आया था।। बता दें कि, तीन दिनों के अंदर दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) समेत उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। छह नवंबर की शाम लगे भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 5.6 मापी गई थी। तीन अक्तूबर को नेपाल में आए भूकंप का असर रात करीब 11.40 बजे दिल्ली–एनसीआर में भी देखा गया। भूकंप के झटके कुछ सेकेंड तक महसूस किए गए थे। पश्चिमी नेपाल के जाजरकोट में सोमवार को तीन बार चार से अधिक तीव्रता के भूकंप के झटके आने के बाद कम से कम 16 लोग घायल हो गए। नेपाल के इसी क्षेत्र में कुछ दिन पहले आए जबरदस्त भूकंप के बाद सोमवार को फिर से भूकंप के झटके आए। देश में आठ साल पहले विनाशकारी भूकंप आया था जिसमें 153 लोगों की मौत हो गई थी और 266 लोग घायल हुए थे। सोमवार को भूकंप के बाद के झटकों में घायल हुए।

उर्फी जावेद ने श्री दरबार साहिब में टेका माथा

एजेन्सी

मुंबई। आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा का विषय बनने वाले उर्फी जावेद अब श्री दरबार साहिब पहुंचीं। जी हां, हाल ही में उर्फी जावेद ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह दरबार साहिब में माथा टेकती नजर आ रही हैं। उर्फी जावेद की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हो रही हैं। उर्फी जावेद ने बुधवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर नवीनतम तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि उर्फी अपने अंदाज से बिल्कुल अलग नजर आ रही हैं. दरअसल इस दौरान उर्फी जावेद ने पिंक कलर का सलवार सूट पहना हुआ है।।

राहुल ने किसानों को 3200 रूपए क्विंटल से भी अधिक पर धान खरीद का दिया भरोसा

एजेन्सी

अम्बिकापुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी एवं भाजपा पर वादा कर सत्ता में आने पर उसे भुला देने का आरोप लगाते हुए छत्तीसगढ़ के किसानो को भरोसा दिलाया हैं कि कांग्रेस फिर सत्ता में आने पर समर्थन मूल्य पर 3200 रूपए क्विंटल धान की खरीद शुरू कर इसे आगे बढ़ाती जायेंगी। राहुल गांधी ने आज यहां एक बड़ी चुनावी सभा में किसानों से कहा कि वह लिखकर रख लें कांग्रेस की सत्ता फिर बनते ही 3200 रूपए क्विंटल में धान की खरीद शुरू होगी और यह जितनी जरूरत होंगी धीरे धीरे बढ़ता जायेंगा ।इसके लिए किसी को कुछ कहने की जरूरत नही होंगी ।उन्होने कहा कि पिछली बार उन्होने 2500 रूपए क्विंटल में धान खरीद का वादा किया वह पूरा ही नही किया बल्कि उससे भी आगे जाकर बगैर किसी के कहे ज्यादा राशि पर धान की खरीद की ।पिछली बार किसानों की कर्जमाफी का वादा किया था और पहली ही कैबिनेट बैठक में उसे माफ किया ।इस बार भी कर्जमाफी का वादा उसी प्रकार पूरा होगा। उन्होने कांग्रेस के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य बीमा की राशि को पांच लाख से बढ़ाकर 10 लाख रूपए,भूमिहीन श्रमिकों को प्रति वर्ष सात हजार से बढ़ाकर न्याय योजना के तहत 10 हजार रूपए रूपए और गैस सिलेन्डर पर 500 रूपए की सब्सिडी दी जायेंगी. तेदूपत्ते का प्रति बोरी 6000 रूपए में खरीदी जायेंगी और चार हजार की बोनस राशि अलग दी जायेंगी ।सभी विद्युत उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली फ्री दी जायेंगी ।उन्होने कहा कि यह कांग्रेस की गारंटी है और यह मोदी के 15 लाख सभी के बैंक खाते में जाने,नोटबंदी से काला धन खत्म होने तथा किसान बिल से किसानों का भला होने जैसी जुमलेबाजी नही है। राहुल गांधी ने इसके साथ ही जाति जनगणना को लेकर मोदी सरकार को फिर घेरते हुए आज कहा कि सभी वर्गों की हर क्षेत्र में समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जातियों की आबादी जानना जरूरी हैं।

नीतीश कुमार ने जनसंख्या नियंत्रण पर दिए अपने बयान को लेकर मांगी माफी

पटना बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को विधानमंडल के दिनों सदनों में जनसंख्या नियंत्रण वाले अपने बयान के लिए माफी मांग ली है। मुख्यमंत्री ने यहां बुधवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि अगर मेरे बयान से किसी को दुख पहुंचा है तो मैं हाथ जोड़ कर माफी मांगता हूं। मैंने किसी को ठेस पहुंचाने के लिए यह बयान नहीं दिया था, अगर किसी को दुख हुआ तो उसके लिए माफी मांगता हूं।मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अपनी बात वापस लेता हूं। मेरा उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने कहा कि मेरा कहना था कि अगर लड़कियां साक्षर होंगी तो प्रजनन दर में कमी की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हमने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बराबर काम किया है। उन्होंने आंकड़ों के जरिए यह भी कहा कि बिहार में लड़कियों को पढ़ाकर प्रजनन दर को कम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर मेरे बयान से किसी को तकलीफ हुई है तो मैं अपने बयान के लिए माफी मांगता हूं, मैं अपने बयान की निंदा करता हूं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को नीतीश ने सदन में जनसंख्या नियंत्रण में महिला–पुरुष संबंध को लेकर एक बयान दिया था, जिसकी सभी निंदा कर रहे हैं। भाजपा इसे लेकर आक्रामक हो गई है। नीतीश कुमार की महिलाओं को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी निंदा करते हुए मुख्यमंत्री से माफी मांगने को कहा था।

इंटरनेशनल फ्लाइट में महिला पैसेंजर का यौन उत्पीड़न

बेंगलुरु। इंटरनेशनल फ्लाइट में को–पैसेंजर का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने 8 नवंबर को 52 साल के शख्स को गिरफ्तार किया। इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई, उसे कोर्ट में पेश किया। हालांकि कोर्ट ने आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामला 6 नवंबर का है। आंध्र प्रदेश के तिरूपति की रहने वाली महिला लुफ्थांसा की फ्लाइट से जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से बेंगलुरु आ रही थीं।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर का सरेंडर,हेट स्पीच समेत 3 मामलों में 19 महीने से था फरार

एजेन्सी

मऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने मऊ के एमएमएलए कोर्ट में सरेंडर किया है। उमर मार्च–2022 यानी 19 महीने से फरार था। बुधवार दोपहर को उमर अपने 2–3 वकीलों के साथ चुपचाप श्वेता चौधरी की कोर्ट में पहुंचा। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में ले लिया। उमर के सरेंडर की खबर से पुलिस में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में कोर्ट में फोर्स लगा दी गई। उमर के खिलाफ हेट स्पीच और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन समेत 3 मामलों में गैर–जमानती वारंट जारी था। उमर का बड़ा भाई अब्बास अंसारी और पिता मुख्तार दोनों जेल में बंद हैं। अब्बास कासंगज, जबकि मुख्तार बांदा जेल में बंद है। जानकारी के मुताबिक, कोर्ट पहुंचे उमर अंसारी और उसके वकीलों ने एसीजेएम को जमानत याचिका दी। इसके बाद मामले में आगे की कार्यवाही की गई है। करीब डेढ़ घंटे बाद कोर्ट ने उमर को जमानत याचिका को मंजूर करते हुए, उसे जमानत दे दी है।

जमानत मिलने के बाद कोर्ट से निकले उमर अंसारी ने कहा, मुझे तीनों मामलों में जमानत दे दी गई है। मुझे न्यायालय पर पूरा भरोसा है। करीब 11 बजे यहां आ गया था। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि कोर्ट पर विश्वास है। मैं आपके माध्‍ यम से सभी को धनतेरस–दीपावली–छठ की शुभकामनाएं देता हूं।

तरनतारन में ट्रिपल मर्डर,पति-पत्नी और भाभी को तेजधार हथियारों से काटा, हाथ-पैर,घर का नौकर गायब

एजेन्सी

तरनतारन पंजाब के तरनतारन में एक ही परिवार के 3 लोगों की हत्या कर दी गई। तरनतारन के पट्टी के गांव तुंग में यह वारदात मंगलवार देर रात की है। मरने वालों में इकबाल सिंह (70), उसकी पत्नी लखविंदर कौर और भाभी सीता कौर शामिल है। कत्ल के कारणों का पता नहीं चल पाया। हालांकि घर के हालात देखकर इसे लूट से जोड़कर देखा जा रहा है। इस परिवार के पास छत्तीसगढ़ का अशोक नौकरी करता था। कत्ल की वारदात के बाद अशोक गायब है। पुलिस के मुताबिक एक ही परिवार के तीनों सदस्यों को तेजधार हथियारों से काटा गया। दोनों औरतें लखविंदर कौर और सीता कौर एक कमरे में जबकि इकबाल सिंह की बॉडी अलग कमरे में मिली। तीनों के हाथ–पैर बंधे हुए थे और मुंह समेत पूरे चेहरे पर टेप चिपकाई गई थी। वारदात का पता तब चला, जब बुधवार सुबह घर से कोई बाहर नहीं निकला। पड़ोसियों ने इकबाल सिंह, उनकी पत्नी लखविंदर कौर और भाभी सीता कौर को कई आवाजें लगाईं मगर कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद लोगों को शक हुआ। उन्होंने घर में जाकर देखा तो खून से लथपथ लाशें पड़ी थी जिनके हाथ–पैर बंधे हुए थे। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक जांच के दौरान मकान के अंदर सामान बिखरा मिला है। कमरे की आलमारियां खुली पड़ी थी। ऐसे में लग रहा है कि तीनों के कत्ल लूटपाट के इरादे से किए गए हैं। हालांकि घर से क्या–क्या गायब सामान है? इसके बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं चल पाया। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद घर का नौकर अशोक गायब है। अशोक इस घर में करीब 20 साल से काम कर रहा था। परिवार उस पर पूरा भरोसा करता था। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि इकबाल सिंह का बेटा विदेश में रहता है।

महुआ मोइत्रा केस की जांच लोकपाल ने बीवीआई को दी

एजेन्सी

नयी दिल्ली टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 15 अक्टूबर को संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने का आरोप लगाया था। इसकी जांच लोकसभा की एथिक्स कमेटी भी कर रही है। संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने के आरोपों का सामना कर रहीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की जांच अब सीबीआई कर सकती है।

सम्पादकीय

अनावश्यक टकराव

हाल के वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्य सरकारों व राज्यपालों के बीच गहरे टकराव के मामले प्रकाश में आए हैं। विडंबना यह है कि ये मामले उन राज्यों में सामने आए जहां गैर–राजग सरकारें कार्यरत हैं। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक व तमिलनाडु के बाद हालिया विवाद पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार व पंजाब के राज्यपाल के बीच है। यह विवाद इतना बढ़ा कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि राज्यपालों को आत्मावलोकन करना चाहिए। जाहिर है विसंगतियों के हालात के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस गरिमामय संवैधानिक पद के अनुरूप गरिमामय टिप्पणी ही की है। कोर्ट का कहना है कि ऐसे मामले अदालत में पहुंचें उससे पहले राज्यपाल को मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। पंजाब में लंबे समय से भगवंत मान सरकार व राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के बीच कई मुद्दों को लेकर टकराव चला आ रहा था। दरअसल, राज्यपाल ने तीन धन विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया था। हालांकि, बाद में एक नवंबर को दो विधेयकों को मंजूरी दे दी थी। इससे पहले भी राज्यपाल ने पिछले महीने बुलाए गये पंजाब विधानसभा के सत्र को अवैध तक बता दिया था। इस मामले में शीर्ष अदालत में मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राज्यपालों को मामला कोर्ट आने से पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए। यह परिपाटी खत्म होनी चाहिए कि मामला सुप्रीम कोर्ट आने पर राज्यपाल कार्रवाई करेंगे। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने राज्यपालों को आत्मावलोकन की जरूरत बताते हुए नसीहत दी कि उन्हें पता होना चाहिए कि वे जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। जाहिर है कि कोर्ट का सीधा अभिप्रायः है कि माननीय कहे जाने वाले राज्यपाल पद की मर्यादा के अनुरूप ही व्यवहार करें। विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल केंद्र में सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधि के तौर पर काम करते देखे गए हैं। निस्संदेह, यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिये विडंबना ही कही जाएगी कि राज्यपाल किसी राज्य सरकार के कार्यों में बाधा डालें व कैबिनेट के फैसलों को अनुमति देने में आनाकानी करें। राज्यपाल का काम किसी भी राज्य को किसी भी तरह के संवैधानिक संकट से ही बचाना होता है। वे राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने के लिये नियुक्त किये जाते हैं ताकि राज्य के विकास के कार्य सुचारू रूप से चलाए जा सकें। मगर यदि वे सरकार बनाने व गिराने के खेल में शामिल होंगे तो निश्चित रूप से राज्यपाल के पद को आंच आएगी। महाराष्ट्र में राजनीतिक विद्रूपताओं के चलते उत्पन्न अस्थिरता के दौर में राज्यपाल की भूमिका को लेकर तीखे सवाल उठे और मामला शीर्ष अदालत तक भी पहुंचा था। ऐसा ही टकराव पश्चिम बंगाल में ममता सरकार के शासन के दौरान भी नजर आया था। विडंबना यही है कि राज्यपाल के पद पर समाज के विद्वानों व प्रतिष्ठित व्यक्तियों को नियुक्त करने के बजाय रिटायर राजनेताओं को बैठाने का खेल दशकों से जारी है। इस खेल में भाजपा से लेकर कांग्रेस तक कभी पीछे नहीं रहे। जिसके चलते वे पद पर बैठते ही अपने पर 'कृपा करने वाले दल' की निष्ठाओं को निभाने के लिये संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करने लगते हैं। फिर चुनी हुई सरकार से टकराव की खबरें सूचना माध्यमों में तैरने लगती हैं। निश्चित रूप से इस तरह की घटनाएं किसी भी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत नहीं कही जा सकतीं। वहीं दूसरी ओर पंजाब के राज्यपाल की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील थी कि राज्यपाल ने उनके पास भेजे गए विधेयकों पर कार्रवाई की थी। साथ ही यह कि पंजाब सरकार द्वारा दायर याचिका एक अनावश्यक मुकदमा है। बहरहाल, राज्यों व केंद्र सरकारों के मध्य एक पुल का काम करने वाले राज्यपाल को राज्य के विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही जनता द्वारा चुनी गई सरकार द्वारा उठाये गये कदमों को संबल देना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र राज्यपालों से नीर–क्षीर विवेक के साथ दायित्व निभाने की अपेक्षा करता है।

नरसंहार के एक महीने

इजरायल और हमास के बीच छिड़ी जंग को पूरे एक महीने हो गए हैं। पिछले महीने यानी 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था और इसके बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिना

देर किए युद्ध का शंखनाद कर दिया था। उन्होंने अपनी प्रशासनिक और खुफिया असफलता के लिए इजरायल के लोगों से माफी मांगना जरूरी नहीं समझा, न ही उन्होंने इन सवालों की परवाह की कि इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद इस हमले की जानकारी क्यों नहीं जुटा पाई, किस तरह हमास इतना शक्तिशाली हो गया कि उसने इजरायल पर भीषण हमला बोल दिया। नेतन्याहू इन सवालों की पड़ताल करने के लिए पहले वक्त निकालते, तो शायद ऐसा नरसंहार नहीं होता, जो इस वक्त हो रहा है। तब शायद हमास के असली इरादे पता चलते और ये भी मालूम होता कि आखिर हमास ने इतनी ताकत और दुस्साहस किसके बूते जुटा लिया। लेकिन शायद नेतन्याहू को युद्ध के मैदान में उतरने की हड़बड़ी थी ताकि हमास के बहाने फिलिस्तीनियों की पूरी तरह खदेड़ कर अपना कब्जा स्थायी कर लिया जाए। जिस हमास को खत्म करने की कसम खाकर नेतन्याहू ने युद्ध शुरु किया, वो अब भी बरकरार है। शायद हमास के अमृतकुंड किसी इजरायली बंकर में ही छिपा हो और इसलिए वो खत्म नहीं हो पा रहा है। लेकिन उसके नाम पर अब तक 10 हजार से अधिक फिलिस्तीन मारे जा चुके हैं। इनमें 6 हजार से अधिक बच्चे हैं। इन बच्चों में भी बहुत से ऐसे हैं, जिन्होंने अपने जीवन का एक साल भी पूरा नहीं किया, कुछ बच्चों को तो मां के पेट में ही इजरायल ने खत्म कर दिया, मानो उन अजन्मी संतानों में हमास का आतंकी रूप इजरायल को नजर आता है। खून, धूल, बारूद की गंध से लिपटे, रोते–बिलखते, डर से कांपते बच्चों की तस्वीरें और वीडियो देखकर किसी भी सामान्य इंसान की रूह कांप जाए। लेकिन युद्धोन्माद में कोई सामान्य कहां रह पाता है। इजरायली सैनिक अपने आका का हुक्म बजा रहे हैं और इजरायल अपने आका अमेरिका की फरमाबरदारी कर रहा है। बिना इस बात की परवाह किए कि उसके हाथों में इतना खून लग चुका है, जिसके दाग सदियों तक बरकरार रहेंगे। आज इजरायल ने इतने फिलिस्तीनी नागरिकों को मारा, जिनमें इतने बच्चे, इतनी महिलाएं, इतने पत्रकार, इतने सैनिक, इतने डॉक्टर हैं, इजरायल ने आज अस्पताल को तबाह किया, आज राहत शिविर पर बम बरसाए, आज गजा पट्टी तक पहुंचने वाली बिजली, पानी की आपूर्ति रोक दी, आज संचार के साधनों को खत्म कर दिया, ऐसी ही खबरें रोजाना महीने भर से लगातार आ रही हैं। और इन खबरों को देखकर भी अगर हम सामान्य बने हुए हैं, तो फिर ये तय है कि हम मनुष्य कहलाने का हक खो चुके हैं। बताया जा रहा है कि फिलिस्तीनियों को औसतन दिन में ब्रेड की दो स्लाइस और थोड़े से पानी में गुजारा करना पड़ रहा है। बहुतों को ये भी नसीब नहीं हो रहा है। निश्चित ही अमेरिका, इजरायल और इन देशों का साथ देने वाले तमाम सत्ताधीश आला दर्जे की संवेदनहीनता और क्रूरता दिखा रहे हैं। जिन लोगों को मासूमों की मौत, भूख–प्यास, बीमारी देखकर कोई फर्क नहीं पड़ रहा, जो खून की नदियों से धरती को मैला करने में लगे हुए हैं, क्या उन लोगों से न्याय और लोकतंत्र की रक्षा की उम्मीद की जा सकती है। किस तरह से ये तमाम शासनाध्यक्ष दुनिया से आतंकवाद मिटाकर शांति स्थापना का दावा कर सकते हैं, जबकि खुद इनके कृत्य किसी आतंकवाद से कम नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ को भी अमेरिका, इजरायल और उनका साथ देने वाले तमाम देशों ने बेमानी बना दिया है। संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस बार–बार शांति की अपील कर रहे हैं।

मानवीय आधार पर युद्धविराम की बातें कर रहे हैं। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, आस्ट्रेलिया, जर्मनी तमाम देशों में लगातार आम जनता फिलिस्तीनियों के लिए आवाज उठा रही है। खुद इजरायल की जनता नेतन्याहू की युद्धनीति का विरोध करते हुए सड़कों पर उतर आई है। लेकिन फिर भी इजरायल युद्धविराम के लिए तैयार नहीं है और उधर जो बाइडेन कह रहे हैं कि पूरे युद्धविराम की जगह मानवीय जरूरत के लिए छोटे विराम लिए जाएं। इस तरह के बयानों से अमेरिका की असली नीयत समझ आ जाती है। मानवीय जरूरत तो यही है कि किसी भी हाल में युद्ध तुरंत बंद हो और नरसंहार पर रोक लगे। छोटे विराम जैसा कोई विकल्प होना ही नहीं चाहिए। मगर युद्ध रुका तो नेतन्याहू के फिलिस्तीन पर कब्जे के मंसूबे धरे रह जाएंगे। इसलिए अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए इजरायल युद्ध किए जा रहा है और अमेरिका अपनी मदद जारी रखे हुए है। दुनिया भर के कई राजनेता अपनी सरकारों से अलग राय रखते हुए इजरायल को आतंकी राष्ट्र घोषित करने की मांग उठा चुके हैं। नेतन्याहू पर युद्ध अपराधों का मुकदमा चलाने की मांगें हो रही हैं। यह देखना दुखद है कि इंसानियत के इस मुश्किल वक्त में भारत का नेतृत्व करने वाली मोदी सरकार ढुलमुल रवैया अपनाए हुए है। सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और इसमें दोनों देशों के संबंधों पर चर्चा के साथ ही फिलिस्तीन के हालात पर भी चर्चा हुई। जिसमें राष्ट्रपति रईसी ने श्री मोदी को श्पश्चिमी उपनिवेशवाद के खिलाफ भारत के संघर्षश् और श्गुट–निरपेक्ष आंदोलन का संस्थापक देश होनेश की याद दिलाई। रईसी ने कहा, श्आज भारत से उम्मीद है कि वह गजा के बाशिंदों के खिलाफ जायनवादियों के अपराधों को रोकने के लिए अपनी पूरी क्षमताओं का इस्तेमाल करे।

ईरान ने मोदी सरकार को भारत के इतिहास और विदेश नीति का वो अध्याय याद दिलाया, जिसके बूते दुनिया में भारत के नाम की साख बनी हुई थी। लेकिन अफसोस कि मोदी सरकार ने सायास उस अध्याय को बंद करने की कोशिश की है। गुटनिरपेक्षता आंदोलन को औपचारिकता के फ्रेम में जकड़ दिया है और कुछ व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए श्री मोदी इजरायल या अमेरिका के कृत्यों पर खुलकर बोल भी नहीं रहे हैं। इजरायली सरकार के अपराधों पर अमेरिका से लेकर भारत तक का यह ढीला रवैया समूची मानवता के लिए भारी पड़ेगा।

मनुष्य की विनम्रता और साहस सबसे बड़ा मनोबल

संजीव ठाकुर

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है।

जीवन में उतार–चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग–अलग पहलू हैं इनसे जूझ कर जो आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है।

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी

परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आगे वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

ओलेक्स पर बिक्री के लिए झूला बेचना पड़ा महंगा

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को ओलेक्स पर घर का सामान बेचना महंगा पड़ गया। साइबर जालसाजों ने सामान के पैसे की जगह उल्टा अपने ही खाते में कई बार में लाखों रुपये ट्रांसफर करवा लिया। पीड़ित ने ठग के मोबाइल नंबर पर फोन मिलाया तो स्वीच ऑफ मिला जिसके बाद उसने ऑनलाइन साइबर सेल में शिकायत करने के बाद आशियाना कोतवाली में ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया हैं। आशियाना क्षेत्र के रतन खंड में रहने वाले संतोष कुमार द्विवेदी के मुताबिक, उन्होंने अपने घर का झूला बेचने के लिए ओलेक्स पर डाला था।

6000 शिक्षकों की भी नियुक्तिका रास्ता साफ

एचसी ने सरकार को 3 महीने में प्रक्रिया पूरी करने का दिया आदेश

संवाददाता

लखनऊ। प्राथमिक स्कूलों में 2016 में हुई 12460 सहायक शिक्षकों की भर्ती में से बाकी बचे 6470 की नियुक्ति का भी रास्ता साफ हो गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने चयनित अभ्यर्थियों को भी भर्ती करने का आदेश दिया है। शून्य जनपद विवाद के कारण मामला लटक गया था। न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की खंडपीठ ने यह फैसला राज्य सरकार व कई अभ्यर्थियों द्वारा दाखिल 19 विशेष अपीलों को निस्तारित कर सुनाया। कुछ अपीलों में एकल पीठ नवंबर 2018 को भर्ती पर रोक वाले के आदेश को चुनौती दी गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 2016 की सहायक शिक्षक भर्ती मामले में कहा कि संबंधित प्राधिकारी, एनसीटीई की अधिसूचना और 26 दिसंबर 2016 के सर्कुलर के तहत संबंधित जिलों के सभी पात्र सहायक शिक्षकों की कॉमन मेरिट सूची तीन माह में तैयार कर सभी पदों को भरने का निर्णय लें। दरअसल, साल 2016 में शुरू भर्ती में 75 में से 24 जिलों में एक भी पद खाली नहीं था। इन शून्य खाली पदों वाले जिलों के अभ्यर्थियों किसी अन्य जिले में आवेदन करने की छूट दी गई थी। मार्च 2017 में पहली काउंसिलिंग हुई, लेकिन उसी समय प्रदेश में सरकार बदल जाने के बाद नई सरकार ने 23 मार्च 2017 को भर्ती पर रोक लगा दी थी। इस पर कुछ अभ्यर्थी कोर्ट चले गए। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने एक नवम्बर 2018 को भर्ती पर रोक वाले राज्य सरकार के आदेश को रद्द कर दिया। इसके बाद सरकार ने भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी। सभी अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की कराई। 51 जिलों के करीब 6000 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। लेकिन बाकी चयनितों की नियुक्ति नहीं हो पाई। इनमें से कुछ अभ्यर्थियों व राज्य सरकार ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती देते हुए 19 अपीलें दाखिल की थी। अब हाईकोर्ट के फैसले व आदेश के बाद शून्य खाली पदों वाले जिले के चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है।

औरैया मामले में डिप्टी सीएम ने लिया संज्ञान, सीएचसी अधीक्षक और उक्त प्रकरण से संबंधित डॉक्टरों को हटाने का दिया आदेश

संवाददाता

लखनऊ। औरैया जिले के बिधूना सरकारी अस्पताल के वायरल वीडियो पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संज्ञान लिया है। उन्होंने सीएचसी अधीक्षक और उक्त प्रकरण से संबंधित डॉक्टरों को हटाने का आदेश दिया है। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट कर दी। दरअसल स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में एक भाई अपनी बहन के शव को पीठ से बांधकर बाइक से घर ले जाता दिखा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गया। जिस पर अब डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एक्शन लिया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ट्वीट कर कहा कि जनपद औरैया के सीएचसी, बिधूना में शव को पीठपर बांधकर बाईक से ले जाने संबंधी वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मेरे द्वारा सीएचसी, बिधूना के अधीक्षक व उक्त प्रकरण से संबंधित डॉक्टरों को भविष्य के लिए एक–एक प्रतिकूल प्रविष्टि देकर तत्काल वहाँ से हटाये जाने के आदेश मुख्य चिकित्सा अधिकारी, औरैया को दिये गए है।

लोकतन्त्र और लोक कल्याण

आदित्य नारायण

लोकतन्त्र और लोक कल्याण दोनों एक–दूसरे के सम्पूरक होते हैं। ऐसी स्थापना हमारे संविधान निर्माताओं ने की और इसके परिपालन के लिए राजनैतिक दलों को अधिकृत किया। चुनाव लोकतान्त्रिक प्रणाली के आधार होते हैं अतः राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अतः घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। भारत जब आजाद हुआ था तो इसकी 90 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर करती थी। इसमें भी शहरी आबादी 20 प्रतिशत के आसपास थी। मगर आज 75 साल बाद तस्वीर बदल चुकी है। भारत के शहरीकरण में तेजी से वृद्धि हुई है और कृषि क्षेत्र पर लोगों की निर्भरता में भी कमी आयी है। इसका मतलब यह है कि हमने तरक्की की है। अब 2023 चल रहा है और भारत की आबादी बढ़ कर 140 करोड़ हो चुकी है जबकि आजादी के समय 1947 में यह 33 करोड़ के करीब थी। बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होती बल्कि उसकी नौकर होती हैं क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने की जिम्मेदारी सौंपती है।

इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। अतः आज भारत के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं उनमें पिछले चुनावों के बाद सत्ता पर काबिज सरकारों और उनकी राजनैतिक पार्टियों का दायित्व बनता है कि वे जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद अगले पांच सालों के लिए उसकी इजाजत मांगें। यह जनता पर निर्भर करता है कि वह सरकार के काम से सन्तुष्ट होती है या नहीं क्योंकि उसके सामने विकल्पों की कमी नहीं होती। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। इसे हम इस तरह देख सकते हैं कि 2004 से 2014 तक केन्द्र में चली डा. मनमोहन सिंह की कांग्रेसनीत सरकार ने 2013 में कानून बनाया कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार दिया जायेगा। इसके लिए भोजन का अधिकार कानून बना परन्तु 2014 में केन्द्र में सरकार बदल गई। भोजन का अधिकार बेशक कानून बन गया मगर इसका उपयोग 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने किया जब लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। सरकार चूंकि एक सतत् प्रक्रिया होती है अतः हर सरकार के लिए लोक कल्याण के काम करना जरूरी शर्त होती है परन्तु इन नीतियों के चलते हर राजनैतिक दल की सरकार का विकास ढांचा अलग हो सकता है। विकास के लिए आर्थिक नीतियों की जरूरत होती है और हर सरकार की आर्थिक नीतियां अलग ही होती हैं। लोक कल्याण का रास्ता इन्हीं नीतियों के बीच से निकलता है। बाजार मूलक अर्थव्यवस्था में यह कार्य बहुत दुष्कर होता है क्योंकि यह व्यवस्था हर नागरिक को एक उपभोक्ता के रूप में देखती है। सवाल उठना लाजिमी है कि 80 करोड़ लोग पहले उपभोक्ता हैं या नागरिक। भारतीय संविधान के अनुसार ये उतने ही अधिकार सम्पन्न नागरिक हैं जितने कि अन्य सम्पन्न वर्गों के नागरिक क्योंकि इनके पास भी एक वोट का बराबर का संवैधानिक अधिकार है। मुफ्त भोजन पाना इनका कानूनी अधिकार है। इसी प्रकार अगर शिक्षा को लें तो पहली से आठवीं तक की शिक्षा पाना भी भारत में जन्मे हर बच्चे का मूल अधिकार है। लोकतन्त्र में नागरिकों को जो अधिकार एक बार दे दिया जाता है उसे वापस लेना कभी संभव नहीं होता क्योंकि वह नव विकसित समाज के ढांचे का अंग बन जाता है। इसी प्रकार स्वास्थ्य का भी मामला है। केन्द्र ने आयुष्मान स्कीम चलाई तो विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपनी–अपनी स्वास्थ्य बीमा स्कीमें नागरिकों के लिए शुरू कीं। लोकतन्त्र में इस प्रकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के लिए प्रतियोगिता का होना स्वागत योग्य होता है क्योंकि इससे सर्वाधिक रूप से नागरिक ही लाभान्वित होते हैं। अतः लोकतन्त्र में जब लोक कल्याणकारी नीतियां विभिन्न राजनैतिक दलों के बीच प्रतियोगिता का माध्यम बन जाती हैं तो आम जनता का सशक्तिकरण भी तेज होने लगता है और इससे अन्ततः आर्थिक विषमता के कम होने के आसार ही बनते हैं परन्तु देश तभी मजबूत बनता है जब प्रत्येक नागरिक उत्पादनशीलता में भागीदारी करे। अतः लोकतन्त्र इस तरफ भी बराबर का जोर डालते हुए जन कल्याणकारी नीतियां बनाता है।

गतिमान पत्रिका का हुआ लोकार्पण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह में गतिमान वार्षिक पत्रिका का विमोचन राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। इस पत्रिका में विश्वविद्यालय के वर्षभर की गतिविधियां स्वर्ण पदक धारकों की सूची, अतिथियों का परिचय समेत विश्वविद्यालय की विविध गतिविधियों को बड़े आकर्षण ढंग से प्रकाशित किया गया है। विमोचन अवसर पर कुलपति, दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि, प्रधान संपादक डॉ. मनोज मिश्र, संपादक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, सम्पादन मण्डल में प्रो. अजय द्विवेदी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल और डॉ लक्ष्मी मौर्य रहें।

जल संरक्षण एवं सम्वर्धन हेतु हुआ एमओयू

पीपल्स वर्ल्ड कमीशन ऑन ड्राउट एंड फ्लड, स्वीडन एवं तरुण भारत संघ, राजस्थान के चेयरमैन जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में जल संरक्षण एवं सम्वर्धन हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर किया।

बच्चों को राज्यपाल के हाथों मिला उपहार

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कक्षा 5 से 8 में पढ़ने वाले बच्चों

को स्कूल बैग, फल, जमेटरी बाक्स, महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तकें आदि प्रदान किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए कुकड़ीपुर. देवकली, सुल्तानपुर एवं जासोपुर गांव में आयोजित खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले चार बच्चों को भी दीक्षांत समारोह राज्यपाल के हाथों पुरस्कार मिला।

रामनरेश को मिला अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम.ए. जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जाता है। वर्ष 2023 में एम.ए. जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने पर रामनरेश को यह पदक मिला।

80 मेधावियों को मिला 81 स्वर्ण पदक

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 80 मेधावियों को प्रथम प्रयास में अपने विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर 81 स्वर्ण पदक प्रदान किया। स्नातक स्तर पर 23 एवं परास्नातक स्तर पर 58 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिला।

222 शोधार्थियों को मिली पीएच. डी. की उपाधि

दीक्षांत समारोह में 222 शोधार्थियों को मिली पीएच.डी. की उपाधि मिली। इसमें 144 कला संकाय में, विज्ञान संकाय में 22, कृषि संकाय में 05, शिक्षा संकाय में 34, विधि संकाय में 04, इंजीनियरिंग संकाय में 01, वाणिज्य संकाय में 09, प्रबन्ध संकाय में 02, अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान एवं मानविकी संकाय में 01 शोधार्थियों को उपाधि मिली।

राज्यपाल के हाथों दस आंगनबाड़ी केंद्रों को दिया किट

दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने गोद लिए गए गांव में एवं अन्य जगह स्थापित दस आंगनबाड़ी केंद्रों पर ट्राइसिकल, झूला, स्टोरी बुक, व्हाइट बोर्ड, कुर्सी समेत कुल 77 सामान की किट वितरित की गई।

बटन दबाते ही डीजी लॉकर में अपलोड हुई डिग्रियां

दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने आईपैड का बटन दबाकर 2022–23 की स्नातक और स्नातकोत्तर की एक लाख 62 हजार 687 डिग्रियों को डिजीलॉकर में अपलोड करने का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों को इससे डिजीटल डिग्री आसानी से मिल जाएगी।

हैलीपेड पर कुलपति समेत अधिकारियों ने किया स्वागत

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के हैलीपैड पर राज्यपाल सुबह पहुंची। इस दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह, जिलाधिकारी अनुज झॉ, पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा, रजिस्ट्रार महेंद्र कुमार, समेत कई अधिकारियों ने पुष्प भेंट किया।

अटल बिहारी वाजपेयी ग्रामीण विकास संस्थान का उद्घाटन

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेने आए डॉ राजेंद्र सिंह ने दीक्षांत समारोह के पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी ग्रामीण विकास संस्थान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, प्रो.मानस पांडेय, डॉ सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, अमित वत्स आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मानसिक संतुलन खो बैठे हैं : अलका गुप्ता

हरदोई (अंबरीश कुमार सक्सेना)। आज भाजपा महिला मोर्चा हरदोई ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के द्वारा विधानसभा बिहार में महिलाओं को लेकर दिए गए अत्यंत आपत्तिजनक/अमर्यादित बयान के विरोध में अलका गुप्ता जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा हरदोई के नेतृत्व में वैटगंज निज निवास बाबू त्रियुगी नाथ गुप्ता कोठी से विरोध पदयात्रा प्रारंभ करते हुए नुमाइश चौराहे पर समापन करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का पुतला फूंक कर कड़ा विरोध प्रदर्शित किया ।

इस दौरान अलका गुप्ता जी ने कहा कि नीतीश कुमार अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं तथा आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं , विधानसभा में मुख्यमंत्री पद पर बैठे हुए व्यक्ति द्वारा इस तरीके की आपत्तिजनक , अमर्यादित , अत्यंत निंदनीय टिप्पणी कर पूरे भारतवर्ष को शर्मसार कर दिया , जहां हमारे देश का सर्वोच्च महामहीम राष्ट्रपति का दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन एक महिला ही कर रही है , अतः इस तरीके की टिप्पणी अपराध है । भाजपा महिला मोर्चा हरदोई महामहिम राष्ट्रपति महोदय से निवेदन करती है तत्काल बिहार की सरकार को बर्खास्त करने की कड़ी कार्रवाई करने का कष्ट करें व नीतीश कुमार से तत्काल इस्तीफा की मांग करती है । श्रीमती गुप्ता ने कहाँ कि मा०प्रधानमंत्री जी जहां पर बहनों को सशक्त करके सम्मान देने का कार्य कर रहे हैं वही दूसरी तरफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश जो महिलाओं को अपमानित करने का कार्य कर रहे हैं । उनके द्वारा दिया गया ब्यान अक्षम्य अपराध है जिस पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ।

विरोध प्रदर्शन के दौरान कविता टंडन जिला मीडिया प्रभारी , मधुबाला गुप्ता नगर अध्यक्ष , हेमलता चौरसिया , पदमा गुप्ता, सुमन सिंह ,पूनम देवी, रोली दीक्षित ,सुषमा गुप्ता , आरती देवी , सोनी गुप्ता , गीता देवी ,सीमा देवी , रीता , आशा कश्यप , राधा देवी आदि अन्य बहने उपस्थिति रही ।

तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के मुख्यालय पर 4 मासिक मेडिकल नर्सिंग व ब्यूटीशियन के तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त जिला उद्योग जौनपुर के प्रतिनिधि जय प्रकाश व अजय कनौजिया (यू.पी.कान के जिला संयोजक) ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुये प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्ण आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित कियास इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम से हम आत्मनिर्भर होते है। उन्होंने विभाग के द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधायें, रोजगार के लिए ऋण आदि के बारे में जानकारी दी । उ0प्र इंडस्ट्रियल कन्सल्टेंट उ0प्र. के जिला कोआर्डिनेटर अजय कन्नौजिया ने प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए रोजगार के अवसर व उससे आर्थिक विकास पर प्रकाश डालते हुए बताया की चार महीने के प्रशिक्षण के बाद पांच हजार रुपए मानदेय और प्रमाण पत्र दिया जाएगा और आप अपने हुनर को नए आयाम दे सकते है उन्होंने ने कहा कि हमारी सरकार हर व्यक्ति को हुनरमंद बनाने के लिए तत्पर हैं ताकि जो जहाँ रहे उसे रोजगार मिल जाये स बाहर जाने की जरुरत न पड़े स उन्होंने संस्था के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण किट वितरित किया गया स

संस्था प्रमुख डा. अंजू सिंह ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह व गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। और प्रशिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। सरस्वती वंदना व स्वागत गीत साक्षी तिवारी, खुशी मिश्रा के द्वारा प्रस्तुत किया गयास कार्यक्रम का संचालन सुरेश कुमार त्रिपाठी और मंजू यादव ने किया।

इस मौके पर लालमणि मिश्र, सत्यजीत मौर्य, प्रवीन यादव, कबुतरा देवी, मंजू सिंह, सकुन्तला आदि सहित सभी प्रशिक्षणार्थि उपस्थित रहे।

भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान(आईआरआईटीएम) को प्रशिक्षण और विकास में उत्कृष्टता के क्षेत्र में पुरस्कार हेतु चुना गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अपनी प्रतिबद्ध कार्यशैली एवं उत्तम कार्य प्रबंधन हेतु लखनऊ स्थित भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान(आईआरआईटीएम) कोप्रशिक्षण और विकास में उत्कृष्टताष के क्षेत्र में पुरस्कार हेतु चुना गया है यह पुरस्कार इस संस्थान को तीसरे शहरी इंफ्रा बिजनेस लीडरशिप अवॉर्ड्स 2023 में कॉर्पोरेट लीडरशिप श्रेणी में प्रतिष्ठित ष्प्रशिक्षण और विकास में उत्कृष्टताष पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के रूप में चुने जाने पर प्रदान किया जाएगा ए यह पुरस्कार रेल कर्मियों के प्रशिक्षण और विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करता है।इस पुरस्कार का वितरण समारोह आगामी 7 दिसंबर 2023 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में किया जाएगा। उभारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान(आईआरआईटीएम) की स्थापना दिनांक 21 मई 2003 में हुई एवं इस संस्थान से प्ट्जै अधिकारियों का प्रथम बैच सन 2005 में उत्तीर्ण होकर निकला तथा उसके उपरान्त इस संस्थान से अभी तक कुल 18 इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विसेज (प्ट्जै) के अधिकारियों के बैच पास आउट होकर निकले हैं ।अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों में एक नया अध्याय जोड़ते हुए इस संस्थान में पहली बार नव–सृजित भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (प्ट्डै) के पहले बैच के 89 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने दिनांक 06 नवम्बर से 23 से प्रशिक्षण हेतु ज्वाइन किया है तथा भारतीय रेल में शामिल हुए हैं। इस पुरस्कार हेतु नामित होने पर प्ट्प्ज्ड के क्ळ, श्री हरि शंकर वर्मा ने संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी एवं अवगत कराया कि इस संस्थान द्वारा अपने प्रशिक्षुओं की प्रबंधन क्षमता में वृद्धि करते हुए उनको कार्यकुशलता में दक्षता प्रदान करके रेल सेवा में अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करने हेतु प्रेरित किया जाता है।

पॉल ब्रास के प्रासंगिक हैं राजनैतिक निष्कर्ष : प्रो ऋषिकेश सिंह

शास्त्री महाविद्यालय के ललिता सभागार में अमेरिकी चिंतक पॉल रिचर्ड ब्रास की प्रथम जयंती पर व्याख्यान का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। गोण्डा की राजनीति व क्षेत्रवाद पर विशेष अध्ययन करने सहित भारतीय राजनीति के अध्येता व अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के राजनीतिक वैज्ञानिक पाल रिचर्ड ब्रास की प्रथम जन्म जयंती पर लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय विद्यालय में बुधवार को व्याख्यान माला का आयोजन शोध केन्द्र, राजनीति विज्ञान विभाग एवं आई क्यू ए सी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता श्री कृष्ण गीता राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लालगंज, आजमगढ़ के प्राचार्य ऋषि केश सिंह ने कहा कि अमेरिका के वाशिंगटन विश्वविद्यालय के हेनरी एम जैक्सन स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज में राजनीति विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के प्रो. पॉल रिचर्ड ब्रास ने भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयता, जाति, धर्म का विश्लेषण कर जो निष्कर्ष 1960 के दशक में दिया था, कई दशक गुजर जाने के बाद भी उनके निष्कर्ष आज भी प्रासंगिक हैं। श्री सिंह ने कहा कि हमारे लिए पॉल ब्रास इसलिए उपयोगी हैं क्योंकि उन्होने गोण्डा भ्रमण कर यहां की राजनीति पर विशेष शोध कर कहा था कि यहाँ पारिवारिक राजनीति का दखल व दबदबा है। श्री सिंह ने कहा कि 08 नवंबर 1936 को अमेरिका में जन्में पाल रिचर्ड ब्रास ने भारत आकर 27 वर्षों तक यहां की राजनीति का गहन विश्लेषण किया। उनके ग्रंथ राजनीति व सामाजिक क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगी हैं। कार्यक्रम के संयोजक शोध निदेशक डा. शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए पॉल रिचर्ड ब्रास के साथ अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि हमें यह सौभाग्य मिला कि 1984 में लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान उनका सानिध्य मिला। उनके साथ राजनैतिक विषयों पर चर्चा के साथ उनके भाषागत समस्याओं पर सहयोग किया। व्याख्यान में राजनीति विज्ञान के अध्यक्ष प्रो अतुल कुमार सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए पॉल ब्रास का परिचय देने के क्रम में कहा कि आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारकों में पाल ब्रास का विशिष्ट स्थान है।प्रो आर एस सिंह समन्वयक आईक्यूएसी भारत की भावी राजनीति में ब्रास के चिंतन की उपयोगिता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार व मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। डा बैजनाथ पाल के संचालन में आयोजित व्याख्यान माला में प्रो. बीपी सिंह, प्रो.आरवीएस बघेल प्रो. राव, प्रो. शिव शरण शुक्ल प्रो. संदीप श्रीवास्तव, प्रो. जयशंकर तिवारी, प्रो. अमन चंद्रा, प्रो.जे बी पाल, प्रो अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रो. शशि बाला, डॉ शैलेश कुमार डा पुष्यमित्र मिश्र परवेज आलम, डॉ ममता शुक्ला, डॉ चमन कौर, डॉ वंदना भारतीय, मनीष शर्मा, डॉ घनश्याम द्विवेदी, अभिक सिंह, डॉ अवधेश वर्मा, अच्युत शुक्ल साध्वी सिंह, महाविद्यालय, परिवार के अन्य शिक्षक साथियों के साथ साहित्य भूषण शिवाकांत मिश्र विद्रोही आदि की उपस्थिति चिंतन की गंभीरता को रेखांकित कर रही थी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

सेना के अधिकारियों द्वारा बेस्ट एनसीसी कैडेट्स को पुरस्कार दिया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रुड़की,हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रामाकृष्णन रमेश के दिशा निर्देशन में बीएसएम इंटर कॉलेज, रुड़की के प्रांगण में मोटरसाइकिल एक्सपीडिशन ऑफ गढ़वाल 288 मीडियम रेजिमेंट आर्टिलरी का समापन हुआ । एक्सपीडिशन का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया, अन्य प्रतिभागियों में मेजर हितेश कुमार सोनी, लेफ्टिनेंट अभिजीत नायर, नायब सूबेदार रणजीत सिंह, हवलदार भंवर सिंह, हवलदार बलिस्टर कुमार के साथ अन्य दस सैन्य कर्मियों व तीन सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल के कैडेट्स रहे । आज इस दल के स्वागत समारोह में बीएसएम इंटर कॉलेज, रुड़की, बीएसएम (पीजी) कॉलेज, रुड़की व केएलडीएवी (पीजी)

कॉलेज, रुड़की के एनसीसी कैडेटस उपस्थित रहे, दल के नेतृत्व करता कर्नल अजय कुमार सिंह द्वारा कैडेट्स के साथ अपने मोटरसाइकिल अभियान के अनुभवो को साझा किया गया और भारतीय सेना में किस–किस प्रकार शामिल होकर अपना भविष्य बनाया जा सकता है इस पर भी एनसीसी कैडेट्स व अन्य छात्रों का मार्गदर्शन किया गया । लेफ्टिनेंट कर्नल अजय कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि उनके सैन्य दल द्वारा मोटरसाइकिल द्वारा संपूर्ण गढ़वाल मंडल की यात्रा की गई व अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने माना, मनारी, उत्तरकाशी व अन्य गढ़वाल में पढ़ने वाले विद्यालयों के एनसीसी कैडेट्स को भी सेना में जुड़कर अपना भविष्य बनाने हेतु मार्गदर्शित किया गया । उनकी यह यात्रा 30 अक्टूबर 2023 को रुड़की से प्रारंभ होकर आज 08 नवंबर 2023 को बीएसएम इंटर कॉलेज, रुड़की के प्रांगण में समाप्त हुई । इससे पूर्व कॉलेज के एनसीसी अधिकारी कैप्टन अजय कौशिक व सेकंड अफसर कमल मिश्रा द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सेना के अधिकारियों द्वारा बेस्ट एनसीसी कैडेट्स को पुरस्कार दिया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यालय अधीक्षक ट्रेनिंग 84 बटालियन रवि कपूर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर कैडेट विवेक, गौरव उपाध्याय अर्पित सैनी, अनमोल उपाध्याय, शिवानी, निकिता जोशी, फाल्गुनी वर्मा, लक्ष्य अरोरा, रुद्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

दीपावली पर्व पर और सख्त हुई कैंट व अयोध्या जंक्शन स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था - राकेश राय

सौ से अधिक अतिरिक्त जीआरपी सुरक्षा कर्मियों ने संभाली कमान

अयोध्या। दीपोत्सव दीपावली छठ पर्व सहित अन्य पर्व के मद्देनजर आज गुरूवार से सौ से अधिक अतिरिक्त जीआरपी सुरक्षा कर्मियों ने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन व अयोध्या रेलवे स्टेशन पर कमान संभाल लिया है ।ये सुरक्षा कर्मी इन दोनों रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में सुरक्षा की दृष्टि से तैनात हैं। इस बात की जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन राकेश कुमार राय ने दिया ।उन्होंने बताया कि रेल विभाग इस समय राम नगरी में दीपोत्सव के साथ–साथ दीपावली के साथ साथ छठ पूजा के अलावा अन्य पर्व के दौरान दूरदराज से अपने–अपने घरों को जाने वाले रेल यात्रियों की सुविधा में रेल प्रशासन कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती ।वही इस दौरान किसी भी अराजक तत्वों द्वारा किसी प्रकार का व्यवधान न उत्पन्न हो इसके लिए अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन व अयोध्या जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त जीआरपी सुरक्षा बल तैनात हैं ।उन्होंने बताया कि वे स्वयं बम स्क्वायड दल व जीआरपी सुरक्षा कर्मियों के साथ चप्पे चप्पे पर चेकिंग अभियान चला रहे हैं ।उन्होंने बताया कि दीपावली सहित अन्य पर्व को देखते हुए उनकी मांग पर एसपी रेलवे श्रीमती पूजा यादव व सीओ प्रथम संजीव कुमार सिन्हा के दिशा निर्देश पर 100 से अधिक जीआरपी सुरक्षा कर्मियों ने आज से इन दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर संभाल लिया है ।जो इधर से गुजरने वाली ट्रेनों में चेकिंग अभियान चला रहे हैं। बताया कि दीपावली पर्व के अलावा छठ पूजा भैया दूज यम द्वितीया के अलावा रामनगरी में कार्तिक पूर्णिमा का स्नान होने के चलते श्रद्धालुओं व अन्य रेल यात्रियों की काफी भीड़ रहती है ।सुरक्षा के तहत उनकी सुविधा में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है ।वही कहीं इस दौरान किसी भी अराजक तत्वों द्वारा किसी तरह का व्यवधान न उत्पन्न हो उसको भी लेकर चेकिंग अभियान सघनता से चलाया जा रहा है ।परंतु अभी तक कहीं से भी कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है ।उन्होंने रेल यात्रियों से अपील किया है दीपावली होने के चलते कोई भी रेल यात्री अपने साथ ट्रेन में किसी भी तरह का विस्फोट पदार्थ लेकर न चले ।अगर कोई भी वस्तु संदिग्ध अवस्था में ट्रेन के अंदर या रेलवे स्टेशन पर कर के अंदर दिखाई दे तो इसकी सूचना बिना देरी किए तत्काल जीआरपी को दे जिससे बड़ी से बड़ी घटना होने से रोका जा सके।

भारत की पारंपरिक रचनात्मक कला : मेहंदी विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज में छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए गठित रचनात्मक कला क्लब द्वारा श भारत की पारंपरिक रचनात्मक कला रू मेंहदीश विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्राचार्या के निर्देशन तथा क्लब की इंचार्ज डा. रश्मि श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित ये कार्यक्रम दो सत्र में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में निम्न क्रिया कलाप हुए..

1. भारत में मेंहदी कला का

इतिहास संदर्भी व्याख्यान।

2. मेंहदी कला के प्रकार संदर्भी व्याख्यान।

3. मेंहदी का पौधा लगाने की विधि का वीडियो प्रदर्शन

4. मेंहदी उत्पाद को रोजगार के रूप में अपनाए जानें की प्रक्रिया का वीडियो प्रदर्शन।

5. मेंहदी के महत्व की व्याख्या।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मेंहदी लगाने के अभ्यास के तहत निम्न क्रियाकलाप आयोजित हुए. ..

1. मेंहदी का कोन बनानें वा मेंहदी लगाने की विधि संदर्भी वीडियो का प्रदर्शन।

2. मेंहदी लगाते समय ध्यान रखने योग्य तथ्यों पर व्याख्यान।

3. छात्राओं द्वारा मेंहदी लगाने का अभ्यास।

रचनात्मक कला क्लब के सदस्यगण डा. प्रमिला तिवारी डा. विभा यादव, डा .देवयानी अवस्थी , डा.वंदना यादव, डॉ. अनुपम सिंह, डा.आयुषी जैसवाल ,डॉ जूली सोनकर वा वसीम जेहरा ने कार्यक्रम के आयोजन में अपना अभूतपूर्व सहयोग दिया। रेनू श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के व्यवस्थापन का कार्यभार सुचारू रूप से सम्हाला।

बड़ी संख्या में छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा वे कार्यक्रम से लाभान्वित हुई।

विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में विशेष ध्यान दें: राज्यपाल

भविष्य की चुनौतियों से निबटने के लिए जल सुरक्षा जरूरी: डॉ. राजेंद्र सिंह

कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को गिनाया

विश्वविद्यालय के ब्रांड अंबेसडर होते हैं छात्र: रजनी तिवारी

81 विद्यार्थियों को मिला गोल्ड मेडल

30 बच्चों को राज्यपाल के हाथों मिला उपहार

विश्वविद्यालय में मनाया गया 27 वां दीक्षांत समारोह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में विश्वविद्यालय का 27 वां दीक्षांत समारोह गुरुवार को मनाया गया। इस अवसर पर कुलाधिपति, महामहिम उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले स्नातक एवं स्नातकोत्तर मेधावियों को 81 स्वर्ण पदक प्रदान किए।

इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों में शिक्षा की सुचिता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक नियमित क्लास लें। विश्वविद्यालयों में जब प्रवेश, परीक्षा और परीक्षाफल की तिथि निर्धारित हो जाएगी तो शिक्षा व्यवस्था अपने आप सुधर जाएगी। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में 73 फीसदी लड़कियां और 27 फीसदी लड़के गोल्ड मेडल पाएं हैं। इससे साबित होता है कि महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। मैंने उत्तर प्रदेश में नौ विश्वविद्यालयों की कुलपति महिलाओं को बनाया। उन्होंने कहा कि शोध के क्षेत्र में हमे विशेष जोर देने की जरूरत है। पेटेंट न होने के कारण विश्व के अन्य देश हमसे आगे हो जा रहे हैं। उन्होंने जर्मनी को उदाहरण देते हुए कहा कि वहां गर्भवती माताओं को शिक्षा दी जाती है ताकि उसका बच्चा पैदा होने के बाद शिक्षित और संस्कारित बने। इस काम का प्रमाण हमारे यहां महाभारत काल का अभिमन्यु है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के डिग्रियों को डिजिलॉकर में रखने का एकमात्र उद्देश्य यह है कि उसके साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न हो पाए और साथ में ही वह इसके माध्यम से अपनी डिग्री को देश में कहीं से भी देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों को तकनीकी के क्षेत्र में विद्यार्थियों का भी उपयोग करना चाहिए जिससे कि विश्वविद्यालय के विकास में उनकी भी सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि गरीब बच्चों को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए विश्वविद्यालयों को आंगनबाड़ी केंद्रों तक भेजा गया। प्रदेश में वृक्षारोपण कराने का उद्देश्य भी पर्यावरण को सुरक्षित करना है। हमें समस्याओं के मूल को पहचानना होगा और प्रयास करके इसका निदान करना होगा।

दीक्षांत उद्बोधन में मुख्य अतिथि पीपल्स वर्ल्ड कमीशन ऑन ड्राउट एंड फ्लड, स्वीडन एवं तरुण भारत संघ, राजस्थान के चेयरमैन जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने शिक्षा और विद्या के अंतर को समझाते हुए कहा कि शिक्षा पढ़ाई से होती और विद्या खुद लेनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को विद्या नीति की ओर ले जाने की जरूरत है। वैश्विक रूप से हमारे समक्ष अनेक पर्यावरण संबंधी समस्याएं परिलक्षित हो रही हैं । इन समस्याओं का मुख्य कारण विकास की होड़ में प्रकृति की अनेदखी एवं पर्यावरणीय असंतुलन है । उन्होंने कहा कि धरती का पेट तेजी से खाली हो रहा है। जल, जीवन और जमीन तीनों पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि ज्ञान–विज्ञान, सेवा और सद्भावना की जो विद्या इन युवाओं ने इस विश्वविद्यालय में ग्रहण की है, उसे जीवन में उतार कर व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन को समृद्ध एवं राष्ट्र के लिए सकारात्मक और सृजनात्मक योगदान करें।

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने गोल्ड मेडल पाने वाले विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें अच्छा इंसान बनने का संकल्प लेना होगा जिससे वह अपने घर परिवार के साथ–साथ समाज की भी जिम्मेदारियों को निभा सके। विद्यार्थियों की सेवा और प्रेम उन्हें पूर्ण बनाता है। ऐसे लोग अपनी क्षमता और कौशल से देश को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र उसके ब्रांड अंबेसडर होते हैं।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने मुख्य अतिथि, राज्यपाल और अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को बिन्दुवार बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिये मेरे मन मस्तिष्क में एक संकल्प है इसे चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित करना मेरी प्राथमिकता है। दीक्षांत समारोह की शुरुआत में शोभायात्रा निकाली गई, जिसका नेतृत्व कुलसचिव महेंद्र कुमार ने किया। शोभायात्रा में अतिथियों के साथ कार्य परिषद् एवं विद्या परिषद के सदस्य शामिल हुए। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. मनोज मिश्र ने किया। इसके पूर्व जल भरो कार्यक्रम जल भरो गीत के साथ किया गया।

इस अवसर राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसु, डा. रागिनी सोनकर, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह, प्रो. पंकज एल जानी, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. जगदीश सिंह दीक्षित, प्रो. रणंजय सिंह, प्रो. शम्भूराम चौहान, प्रो. श्रीश सिंह, डॉ. राजेश सिंह, , प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, डॉ. अवधेश नारायण राय, डॉ सत्यप्रकाश, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, वित्त अधिकारी उमाशंकर, परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंहडा. विजय सिंह, डा. राहुल सिंह,, प्रो. एके श्रीवास्तव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रामनारायण, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. बीडी शर्मा, डा. संदीप सिंह, डा. प्रदीप कुमार, डा. मनीष गुप्ता, पूर्व एनएसएस समन्वयक प्रो. राकेश यादव, रोवर्स रेंजर्स डा. जगदेव, डा. विजय तिवारी, डा. संतोष कुमार,. डा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर,डा. रशिकेस, डॉ. अनु त्यागी, डा. जाह्नवी श्रीवास्तव, डा. अमरेंद्र सिंह, डा. आशुतोष सिंह, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर, महामंत्री रमेश यादव, डॉ. अमित वत्स., उप कुलसचिव अमृतलाल, एआर अजीत सिंह, बबिता सिंह, दीपक सिंह, आदि शिक्षक और कर्मचारी मौजूद थे।

पूर्व मंत्री एवं पूर्वी क्षेत्र के विधायक आशुतोष टंडन जी के निधन से राजधानी के व्यापारियों में शोक की लहर

आदर्श व्यापार मंडल ने विधायक आशुतोष टंडन को श्रद्धांजलि दी

आशुतोष टंडन ,गोपाल जी का निधन लखनऊ के व्यापारियों के अपूरणीय क्षति : संजय गुप्ता

व्यापारियों के हितैषी थे गोपाल जी : संजय गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। पूर्व मंत्री एवं लखनऊ के पूर्वी क्षेत्र के विधायक आशुतोष टंडन ,गोपाल जी के निधन की जानकारी पाकर राजधानी के व्यापारियों में शोक की लहर दौड़ गई । उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने आशुतोष टंडन जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने शोक प्रकट करते हुए कहा आशुतोष टंडन जी के निधन से लखनऊ के व्यापारियों को भारी क्षति पहुंची है

आशुतोष टंडन जी व्यापारियों के हितैषी थे तथा व्यापारियों की एक आवाज पर उनका सहयोग करते थे। उनके निधन से उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल शोक संतप्त है। आदर्श व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनको अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

राजधानी के व्यापारियों ने कानपुर में कपड़ा व्यापारी पुत्र कुशाग्र कनोडिया के हत्यारो को फास्ट ट्रेक कोर्ट में मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द फांसी की सजा दिए जाने की मांग को लेकर ष्कैंडल मार्च षनिकाला

कुशाग्र कनोडिया को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन पुलिस प्रशासन को सौपा,जिसमें फास्ट ट्रेक कोर्ट में मुकदमा चलाने तथा हत्या में शामिल सभी हत्यारो को फाँसी की सजा दिलाने की मांग की गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। कानपुर में दुस्साहसिक तरीके से दिल को दहला देने वाली कपड़ा व्यापारी श्री मनीष कनोडिया के 16 वर्षीय पुत्र कुशाग्र कनोडिया की फिरौती की मांग के बाद हत्या में शामिल सभी हत्यारो को फास्ट ट्रैक कोर्ट के अंतर्गत मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द फांसी की सजा दिए जाने की मांग को लेकर राजधानी में ष्उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडलष के तत्वावधान में प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों एवं अन्य संगठनों एवं नागरिकों ने कैंडल मार्चष निकाला तथा कुशाग्र कनोडिया को भावभीनी श्रद्धांजलि दी कैंडल मार्च संत निरंकारी आश्रम सिंगर नगर से शुरू होकर आलमबाग चौराहे तक गया। कैंडल मार्च में राजधानी के व्यापारी, नागरिक एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन पुलिस प्रशासन को सौपा।

ज्ञापन में व्यापारियों द्वारा कुशाग्र कनोडिया की हत्या में शामिल सभी हत्यारो को फास्ट ट्रैक कोर्ट के अंतर्गत मुकदमा चलाकर फाँसी की सजा दिलाने की मांग की गई ताकि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो सके तथा कुशाग्र कनोडिया को इंसाफ मिल सके

व्यापारियों ने कुशाग्र कनोडिया को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कैंडल मार्च में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल लखनऊ के महामंत्री मोहित कपूर, उपाध्यक्ष गोपाल जालान ,उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल आशियाना परिवार के अध्यक्ष आर डी द्विवेदी, पवन अवस्थी ,कमल अग्रवाल, विशन लाल मगलानी, विकास पांडे ,अवधेश ,अंबुज शर्मा आदि शामिल थे।

दीपोत्सव 2023 : शहर में 23 स्थानों पर होगा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, लगाई जाएंगी एलईटी टीवी

मानक के अनुरूप शहर में लगाए जाएंगे दीपोत्सव के संबंधित खूबसूरत होर्डिंग्स : डीएम

१० नवंबर को झांकियों का होगा रिहर्सल

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ)।सुरेंद्र कुमार योगी सरकार दीपोत्सव को भव्य और दिव्या बनाने में जुटी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस ऐतिहासिक आयोजन का शहर के विभिन्न हिस्सों में लाइव टेलीकास्ट भी कराया जाएगा। इसके लिए अयोध्या में लगभग 23 स्थानों पर एलईडी टीवी स्थापित किये जाएंगे। इनके जरिए आयोजन के दौरान होने वाले विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण होगा। 'इन स्थानों पर लगाई जाएंगी एलईडी टीवी'

राम की पैड़ी पर 2, चौधरी चरण सिंह मूर्ति के पास 1, अशर्फी भवन 3, तुलसी उद्यान 2, राजसदन 1, जानकी महल 1, कनक भवन 1, साकेत विद्यालय 1, अयोध्या रेलवे स्टेशन 1, सहादतगंज तिराहा 1, सहादतगंज हनुमानगढ़ी 1, गुप्तारघाट 1 के अलावा बाईपास बस स्टैण्ड 1, साकेत पेट्रोल पम्प के पास 1, श्रीराम चिकित्सालय के ऊपर भवन पर 1, मोहबरा बाजार 1, टेढ़ीबाजार 1 सहित अन्य स्थानों पर एलईडी टीवी लगाई जाएंगी। साथ ही साथ सूचना निदेशालय में पंजीकृत संस्थाओं के माध्यम से जनपद में होर्डिंग्स आदि भी लगने शुरू हो गये हैं।

जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने बताया है कि मेलाधिकारी, रेजीडेंट मजिस्ट्रेट, उपनिदेशक सूचना आदि को निर्देश दिया कि मानक के अनुसार होर्डिंग्स आदि की स्थापना की जाय। मुख्य स्थान जैसे–रामकथा पार्क, राम की पैड़ी, सरयू आरती स्थल एवं नयाघाट से मुख्य मार्गो पर भी मानक के अनुसार होर्डिंग्स आदि की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुये भी मानक के अनुसार होर्डिंग्स आदि की स्थापना की जाय, जिससे मार्ग या यातायात प्रभावित न हो। इसके अलावा सूचना विभाग की झांकियां भी लगभग तैयार हो चुकी हैं। इनका रिहर्सल 10 नवम्बर को सुबह 10 बजे से होगा।

त्योहारों के अवसर पर प्रदेश में चलेगा स्वच्छ दीपावली, शुभ दीपावली अभियान

दीपावली, भैया दूज और छठ जैसे त्योहारों को स्वच्छता के साथ मनाने के लिए योगी सरकार की पहल

प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में अभियान के तहत प्रस्तावित गतिविधियों के संचालन के लिए जारी की गई एसओपी

अभियान के तहत स्वच्छ दीपावली हस्ताक्षर अभियान, स्वच्छ दीपावली रील्स, आरआरआर सेंटर्स, स्वच्छ त्योहार, स्वच्छ सारथी क्लब जैसी गतिविधियां होंगी संचालित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। दीपावली, भैया दूज और छठ जैसे त्योहारों को देखते हुए योगी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में स्वच्छ दीपावली, शुभ दीपावली अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत त्योहारों को स्वच्छता के साथ मनाने का संकल्प लिया गया है। इसी क्रम में स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के राज्य मिशन निदेशक की ओर से सभी नगर आयुक्तों को अभियान से जुड़ी सभी गतिविधियों के संचालन से संबंधित एसओपी जारी कर दी है। एसओपी में स्वच्छ दीपावली हस्ताक्षर अभियान, स्वच्छ दीपावली रील्स, आरआरआर सेंटर्स, स्वच्छ त्योहार, स्वच्छ सारथी क्लब एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक के

उत्पादों के विरूद्ध अभियान जैसी गतिविधियों को संचालित किया जाएगा। निर्देशित किया गया है कि एसओपी के आधार पर समस्त निकायों में गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

'चलाए जाएंगे ये अभियान'

'स्वच्छ दीपावली हस्ताक्षर अभियानः' सभी निकायों में दीपावली से पूर्व एवं दीपावली के अवसर पर समस्त सार्वजनिक स्थलों (सरकारी कार्यालयों, बाजारों, शैक्षिक संस्थानों व अन्य) में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त ष्उलहवअ. पदष पर नागरिकों को प्रण लेकर सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

'स्वच्छ दीपावली रील्सरू' समस्त निकायों द्वारा दीपावली के अवसर पर स्वच्छता के प्रति नवाचार के माध्यम से स्वच्छ दीपावली मनाए जाने के 30 से 60 सेकेंड की वीडियो रील्स बनाई जाएगी जिसको निकाय अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट करेंगे।

'आरआरआर सेंटसरू' समस्त निकायों पर बने आरआरआर सेंटर्स को इस स्वच्छ दीपावली के अंतर्गत उपयोग में लाया जाएगा जिसका वृहद रूप से प्रचार–प्रसार करते हुए नागरिकों को 3आर कांसेप्ट के प्रति जागरुक किया जाएगा एवं घरों में व आस–पास स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा। 'स्वच्छ त्यौहाररू' आगामी त्योहारों को मनाए जाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार किया जाएगा तथा वैकल्पिक चीजों जैसे कि जूट के बैग, कपड़े के बैग इत्यादि को इस्तेमाल में लाया जाएगा। स्वच्छ त्यौहारों प्रमुखतः धनतेरस के अवसर पर समस्त निकायों को वोकल फॉर लोकल कैंपेन के तहत स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। निकाय स्तर पर एलईडी वैन, स्मार्ट सिटी के अंतर्गत स्मार्ट होर्डिंग द्वारा स्वच्छ दीपावली व अन्य स्वच्छता से संबंधित ऑडियोध्वीडियों प्रसारित किए जाएंगे। 31 निकायों में जल दीपावली कार्यक्रम भी 7–9 नवंबर के मध्य मनाया जा रहा है।

'स्वच्छ सारथी क्लबरू' स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में स्वच्छ दीपावली, शुभ दीपावली अभियान के प्रति जागरुकता के लिए रंगोली प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के तहत रिसाइकिल मैटेरियल से उत्पादों को तैयार कर निकाय स्तर पर प्रदर्शनी लगाकर प्रोत्साहित किया जाएगा। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के प्रांगण में ट्विन बिन्स (हरा गीले कूड़े हेतु एवं नीला सूखे कूड़े हेतु) रखे जाएंगे। छात्रों को कचरे का पृथक्कीकरण के विषय में जागरुक किया जाएगा। स्वच्छता के लिए प्रतिस्पर्द्धा कराई जाएगी, जिसमें उच्च प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा।

'प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों के विरूद्ध चलेगा अभियान'

प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरी बैग तथा प्लास्टिक या थर्मोकोल से निर्मित एक बार उपयोग के पश्चात निस्तारण योग्य कप, गिलास, प्लेट, इत्यादि उत्पादों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। आगामी त्यौहारों को जीरो प्लास्टिक इवेंट एवं जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में मनाया जाए। इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि कही भी प्रतिबंधित प्लास्टिक, थर्माकोल के उत्पादों का प्रयोग न हो तथा कूड़े कचड़े के लिए डस्टबिन का प्रयोग हो। प्लास्टिक के उत्पादों एवं प्लास्टिक बैग के उपयोग के नुकसान के बारे में नागरिको को जागरूक किया जाए।

'25 नवंबर तक चलेगा सफाई अभियान'

आगामी त्यौहारों के अवसर पर रेलवे स्टेशनों, बस स्टैड्स आदि सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता सुनिश्चित की जाए तथा बस स्टैंड व रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता से संबंधित संदेश लिखवाए जाएं।

आवश्यक सूचना

आवश्यकता है गोरखपुर, शहजनवा, कसया, कुशीनगर में सिक्योरिटी गार्ड, हाउस कीपिंग मेल/फिमेल की

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–

डी0आई0एस0 सिक्योरिटी

(स्टाइल बाजार), गोरखनाथ रोड, गोरखनाथ कॉम्प्लेक्स के सामने, गोरखपुर, उ0प्र0, मोबाइल नम्बर–7054100102

धोखाधड़ी से वसीयत लिखाने में पांच पर चलेगा केस

सुलतानपुर– मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सपना त्रिपाठी ने धोखाधड़ी से वसीयत लिखाने के मामले में आरोपी पिता–पुत्र समेत पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना का आदेश कुड़वार थानाध्यक्ष को दिया है।कुड़वार थाना क्षेत्र की बेला पश्चिम निवासी गीता सिंह पत्नी जितेन्द्र बहादुर सिंह ने जेठ जगत बहादुर सिंह, जेठानी मालती सिंह जेठ के पुत्र सिद्धार्थ बिक्रम सिंह,सिद्धार्थ की पत्नी शालिनी सिंह, जगत बहादुर के दामाद राजेश सिंह निवासी नेमुआ थाना गौरीगंज और दामाद राजू सिंह पुत्र रामयज्ञ निवासी ग्राम कटावां थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा दर्ज करने की अर्जी कोर्ट में दाखिल की थी। आरोप है कि गीता सिंह के ससुर शिव बहादुर सिंह की बीमारी और लाचारी की अवस्था में आरोपियों ने उन्हें दवा इलाज के बहाने सदर तहसील में ले जाकर आठ फरवरी 2017 को धोखाधड़ी से संपत्ति का वसीयतनामा मालती सिंह के नाम लिखा लिया। फर्जी ढंग से वसीयत लिखाने के बाद आरोपियों ने कई दिन तक शिव बहादुर सिंह को अपने कब्जे में रखा और घर वापस लेकर नहीं आए। कुछ दिनों बाद घर लाने पर शिव बहादुर ने किसी कागज पर अंगूठा लगवा लेने की बात गीता सिंह से बताई थी। तहरीर के बावजूद पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया तब कोर्ट की शरण ली।

उत्तराखंड 23 वा स्थापना दिवस समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
झबरेड़, हरिद्वार। राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हून के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की बैनर तले उत्तराखंड का 23 वा स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओंद्वारा रंगोली तथानिबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य चंद्रपाल ने उत्तराखंड की उपलब्धियां के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ प्रवक्ता राकेश शर्मा ने अपने उद्बोधन में उत्तराखंड के संघर्षों का जिक्र किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रोग्राम अधिकारी के संरक्षण में छात्र–छात्राओं द्वारा मनमोहन निबंध तथा कला प्रतियोगिता संपन्न हुई।इस अवसर पर रविंद्र पाल सिंह, दिनेश सिंह, सूरजभान अंकित रोहन समेत छात्र–छात्राओं ने सहयोग देकर आयोजन को संपन्न किया। अंत मेंप्रधानाचार्य चंद्रपाल ने सभी को उत्तराखंड स्थापना दिवस पर बधाई दी।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।